केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

संख्या :
कोर/जी/पीआर/010/भाग-XXII

दिनांक 29.11.2020

प्रेस विज्ञप्ति

रेल विद्युतीकरण दिल्ली सराय रोहिल्ला से मदार (अजमेर)

आज दिनांक 29-11-2020 को माननीय रेल मंत्री भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल ने दिगावडा स्टेशन पर विद्युत ट्रेक्शन पर मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर बांदिकुई स्टेशन पर रवाना कर रेल विद्युतीकरण लाइन का उदघाटन किया !

दिल्ली सराय रोहिल्ला से अजमेर तक पूर्व में डीजल इंजन से रेल परिवहन हो रहा था ! इसको देखते हुए भारत सरकार, रेल मंत्रालय ने वर्ष 2013-14 में इस मार्ग पर रेल विद्युतीकरण करने का फैसला लिया !

इस कार्य की कार्यदायी संस्था प्रयागराज स्थित केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन(कोर) थी !कोर ने वर्ष 2013-14 में दिल्ली सराय रोहिल्ला से मदार तक 446 रूट किलोमीटर एवं 1065 ट्रेक किलोमीटर रेल विद्युतीकरण का कार्य स्वीकृत कर रेल विद्युतीकरण परियोजना जयपुर की टीम को क्रियान्यवयन हेतु सुपुर्द किया !

जिसमें अलवर से रेवाड़ी 82 रुट किलोमीटर कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका था ! तथा बांदिकुई से दिगावडा स्टेशन की रेल लाइन का दोहरीकरण होने पर एक लाईन पर विद्युतीकरण अलग से किया गया ! यह कार्य विभिन्न चरणों में पूरा किया गया :-

1. दिल्ली सराय रोहिल्ला से रेवाड़ी
2. रेवाड़ी से अलवर
3. अलवर से बांदिकुई
4. बांदिकुई से बस्सी
5. बस्सी से कनकपुरा (जयपुर समेत)
6. कनकपुरा से फुलेरा
7. फुलेरा से मदार (अजमेर)
8. बांदिकुई से दिगावडा (सिंगल लाइन)

अब दिल्ली सराय रोहिल्ला से मदार (अजमेर) तक रेल विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो गया है तथा रेलवे संरक्षा आयुक्त पश्चिम परिमंडल मुम्बई ने भी निरीक्षण कर विद्युत ट्रेक्शन पर रेल चलाने की अनुमति प्रदान कर दी है !

हालांकि यह कार्य बहुत समय पहले से चल रहा था, पर कोर में श्री वाई पी सिंह के महाप्रबंधक पद पर आने के बाद इसमें तीव्रता आयी। इसमें कुल 23418 फाउंडेशन्स, 26 स्विचिंग स्टेशन्स, 6 ट्रैक्शन सब स्टेशन्स और 7 ओ एच ई डिपो हैं ! साथ ही साथ इसमें 15000 मीट्रिक टन स्टील, 2000 मीट्रिक टन कॉपर कंडक्टर उपयोग में लिया गया ! जिसकी विद्युत, सिविल, सिग्नलिंग और टेलीकॉम काम की अनुमानित लागत 738 करोड़ रुपये रही है !

यह सराहनीय उपलब्धि रेल विद्युतीकरण परियोजना जयपुर की टीम ने केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज के दिशा निर्देश में हासिल की है ।

रेल विद्युतीकरण और बाद में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन द्वारा रेल संचालन से भारतीय रेलवे में ग्रीन इंडिया की पहल को बढ़ावा मिलेगा। रेल विद्युतीकरण के जल्दी पूरा होने से पर्यावरण सुरक्षा होगी साथ ही साथ देश को आर्थिक और वित्तीय लाभ होगा ।

रेल विद्युतीकरण डिजल इंजनों पर निर्भरता को कम करते हुए कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा और ईंधन के आयात को कम करके प्रति वर्ष करोड़ो रुपये का विदेशी मुद्रा बचत की उम्मीद है । इस प्रकार, उम्मीद है कि भारतीय रेल पर विभिन्न खंडों के विद्युतीकरण से ईंधन के खर्च में पर्याप्त बचत होगी। इसके अलावा, विद्युतीकरण से ट्रेनों की गतिशीलता को और अधिक विश्वसनीय तथा शक्तिशाली बनाने में मदद मिलेगी। इससे सेक्शन में अधिक ट्रेनों को चलाने के लिए लाइन क्षमता में भी पर्याप्त वृद्धि होने की उम्मीद है।

श्री वाई पी सिंह महाप्रबंधक, केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज ने कठिन चुनौतियों के बावजूद नई रेल विद्युतीकरण लाइन स्थापना के लिए रेलवे विद्युतीकरण परियोजना जयपुर की पूरी टीम को बधाई दी है।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज